अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

तत्त्वज्ञान (वर्ष–2018)

द्वितीय वर्ष –प्रथम प्रश्न पत्र

जैन तत्त्व प्रवेश–प्रथम खंड–40

समय:3 घंटा दिनांक–28.08.2018

पूर्णांक–100

प्र01 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दें– 20

(क) भाव द्वार के अंतर्गत क्षयोपशमिक की परिभाषा करते हुए क्षयोपशमिक भावों का वर्णन करें।

(ख) अस्तिकाय किसे कहते है? छह द्रव्यों की व्याख्या के बाद वाला हिस्सा वर्णित करें।

(ग) दृष्टांत द्वार के अंतर्गत आए हुए पांचों प्रश्नोंत्तर लिखें।

(घ) कर्म के उदाहरण के अंतर्गत नाम कर्म बंध तथा असात वेदनीय कर्म बंध के कारण लिखें।

(ड) द्रव्य क्षेत्र काल भाव गुणद्वार में से आश्रव, निर्जरा, काल व पुदगल की व्याख्या करें।

प्र02 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 20

(क) भेद द्वार (ख) हेय–ज्ञेय–उपादेय द्वार (ग) परमात्म द्वार (घ) आत्म द्वार

(ड) विस्तार द्वार में से सिद्धों के प्रकार के पश्चात से लिखते हुए, जीव को तीन वर्गो में बांटे तो कितने विभाग होते हैं, तक लिखें।

(च) भाव द्वार में से पारिणामिक भाव से प्रारंभ करते हुए जीवश्रित पारिणामिक के भेद तक लिखें।

कर्म– प्रकृति–35

प्र03 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 20

(क) मोहनीय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

(ख) स्थावर दशक की व्याख्या करें।

(ग) कर्म की दस अवस्थाओं में से स्थिति बंध, अपवर्तना, निधति व उदवर्तना की व्याख्या करें।

(घ) अंतराय कर्म की उत्तर प्रकृतियों की व्याख्या करें।

(ड) नाम कर्म की प्रत्येक प्रकृति को अर्थ सहित लिखें।

(च) दर्शनावरणीय कर्म का लक्षण एवं कार्य, कर्म भोगने के हेतु तथा गुणस्थानों में अवस्थिति लिखें।

प्र04 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

Scanned by CamScanner

(क) त्रस दशक की अंतिम पांच प्रकृति अर्थ सहित लिखें।
(ख) शुभ नाम कर्म भोगने के हेतु लिखें।
(ग) ईर्यापथिक बंध किसे कहते हैं।
(घ) वेदनीय कर्म की गुणस्थानों में अवस्थिति व असात वेदनीय कर्म भोगने के हेतु लिखें।
(ड) गोत्र कर्म को परिभाषित करते हुए गोत्र कर्म बंध के हेतु लिखें।
(च) नोकषाय की प्रकृतियों का वर्णन करते हुए बताऐं कि मोहनीय कर्म की उत्तर प्रकृतियां कैसे व कितनी हो सकती है?

गीतिका–10

प्र05 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें– 8
(क) लक्षमण व रावण से संबंधित पद्य को अर्थ सहित पूर्ण करें।
(ख) कृष्ण महाबली का वर्णन है, उस पद्य को अर्थ सहित पूर्ण करें।
(ग) सम्यक्त्व धारी .....किसका रे।
(घ) साठ सहस्त्र.....ऐसा रे।

प्र06 किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें। 2
(क) कर्म के आगे कौन–कौन से सजल व्यक्ति भी निर्बल हो जाते हैं?
(ख) किस नम्बर के चक्रवर्ती को समुद्र में फेंका गया नाम व नम्बर (संख्या) बताऐं।
(ग) किस चक्रवर्ती के एक साथ सोलह रोग उत्पन्न हुए तथा वह कितने देशों का स्वामी था।

पूर्व– कंठस्थ ज्ञान –15

प्र07 निम्न आठ प्रश्नों के उत्तर लिखें– (प्रत्येक वर्ग में से दो प्रश्न हल अवश्य करें।) 12

पच्चीस बोल– (क)पाप के अंतिम 9 भेद (ख) पन्द्रहवां बोल (ग) श्रावक के अंतिम 9 व्रत
पच्चीस बोल की चर्चा– (घ) आठ उपयोग किसमें (ड़) चार द्रव्य किसमें। (च) जीव के दस भेद किसमें?
चतुर्भगी– (छ) उन्नीसवां अथवा संवर के 20 भेद (ज) प्राण किस कर्म का उदय।
(छ) षट्द्रव्य जीव या अजीव।
तत्व चर्चा– (ट) बारह व्रत छह में कौन? नौ में कौन?
(ठ) धूप छांछ छह में कौन? नौ में कौन?
(ड) पाप और पापी एक या दो?

प्र08 कोई एक पद्य भावार्थ सहित लिखें– 3
(क) नवूं ही .....अनेक।
(ख) करण जोग .....सांई रे।

Scanned by CamScanner